भारत सरकार

जनजातीय कार्य मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- # 3819

उत्तर देने की तारीख- 25/03/2026

जनजातीय कला, संस्कृति और 'लिविंग रूट्स' 2026

3819 # श्री दीपक प्रकाश:
श्री अशोकराव शंकरराव चव्हाण:
डा. अनिल सुखदेव बोंडे:

क्या जनजातीय कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) 'लिविंग रूट्स' महोत्सव ने जनजातीय संगीत को एक समकालीन और आर्थिक रूप से व्यवहार्य शक्ति के रूप में किस प्रकार पुनर्स्थापित किया है;

(ख) 2026 में आयोजित 14 दिवसीय राष्ट्रीय व्यापार सम्मेलन के दौरान जनजातीय उद्यमियों के लिए कौन-कौन से विशिष्ट बाजार संपर्क स्थापित किए गए;

(ग) क्या मंत्रालय ने भाग लेने वाले कलाकारों का आधिकारिक जनजातीय कला महोत्सव (टीएएफ) कैटालॉग में सफलतापूर्वक प्रलेखन किया है ताकि उन्हें अंतर्राष्ट्रीय दीर्घाओं में प्रदर्शन का अवसर प्राप्त हो सके, और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) भारत ट्राइब्स फेस्ट 2026 ने किस प्रकार 1,000 से अधिक कारीगरों को वैश्विक मूल्य श्रृंखला में सफलतापूर्वक एकीकृत किया है?

उत्तर

जनजातीय कार्य राज्य मंत्री
(श्री दुर्गादास उइके)

(क): 'लिविंग रूट्स' महोत्सव 13 से 15 मार्च 2026 तक बीकानेर हाउस और इंडिया गेट, नई दिल्ली में आयोजित किया जाना था। हालाँकि, यह कार्यक्रम आयोजित नहीं हो सका, क्योंकि इसे रद्द कर दिया गया था।

(ख): मंत्रालय एक सम्मेलन-उन्मुख कार्यक्रम व्यापार सम्मेलन (कॉन्क्लेव) का आयोजन कर रहा है, जो नीति संवाद, हितधारक अभिसरण, साझेदारी और पारिस्थितिकी तंत्र बनाने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए भारत ट्राइब फेस्ट के साथ मिलकर चलेगा। इसे देश भर में जनजातीय समुदायों के लिए उद्यमिता, टिकाऊ आजीविका और मजबूत बाजार एकीकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक व्यापक, बहु-क्षेत्रीय मंच के रूप में परिकल्पित किया गया है। इस सम्मेलन में खाद्य एवं पेय पदार्थ, कपड़ा (वस्त्र), हस्तशिल्प (हथकरघा), लक्जरी, नवाचार, कौशल,

पारंपरिक ज्ञान और पर्यटन जैसे क्षेत्रों के प्रमुख हितधारक शामिल होंगे। इसका उद्देश्य मूल्य श्रृंखलाओं को मजबूत करना, वित्त और बाजारों तक पहुंच बढ़ाना और जनजातीय उद्यमों की सहायता के लिए कार्रवाई योग्य नीतिगत अंतर्दृष्टि उत्पन्न करना है।

(ग): हाल ही में संपन्न जनजातीय कला महोत्सव (टीएएफ) जनजातीय सशक्तिकरण के लिए कलाकारों को सीधे संग्राहकों, दीर्घाओं, कंपनियों, डिजाइनरों और नागरिकों से जोड़ने की सरकार की एक व्यापक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस उद्देश्य के लिए, जनजातीय कार्य मंत्रालय ने जनजातीय कला महोत्सव (टीएएफ) कैटलॉग विकसित किया है, जिसमें टीएएफ में प्रदर्शित प्रतिभागी कलाकारों, कला परंपराओं और कलाकृतियों का प्रलेखन किया गया है।
2 मार्च, 2026 को जनजातीय कला महोत्सव (टीएएफ) के उद्घाटन के दौरान आधिकारिक टीएएफ कैटलॉग का औपचारिक रूप से अनावरण किया गया था। इसके बाद, टीएएफ कैटलॉग को जागरूकता बढ़ाने और पैमाने पर बाजार संपर्क (लिंकेज) को सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य के साथ कला क्रेताओं, दीर्घाओं, कॉर्पोरेट भागीदारों और नागरिकों के लिए उपलब्ध कराया गया था।

(घ): जनजातीय कार्य मंत्रालय भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास संघ (ट्राईफेड) के सहयोग से भारत के जनजातीय समुदायों की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, शिल्प कौशल और उद्यमशीलता की भावना का जश्न मनाने के लिए एक राष्ट्रीय मंच भारत ट्राइब्स फेस्ट 2026 का आयोजन कर रहा है। महोत्सव का उद्घाटन 18.03.2026 को सुंदर नर्सरी, नई दिल्ली में किया गया था।

पूरे भारत के 1000 से अधिक जनजातीय कारीगर, वीडीवीके, जनजातीय रसोइये (शेफ) और सांस्कृतिक दल जनजातीय कला, शिल्प, व्यंजन और जनजातीय नृत्य और संगीत प्रस्तुतियों का प्रदर्शन कर रहे हैं। उपरोक्त जनजातीय कला, शिल्प और व्यंजन को एक छत के नीचे सौंदर्यपूर्ण रूप से क्यूरेट किए गए 200 से अधिक स्टॉलों में प्रदर्शित किया जाएगा। राज्य-वार/क्षेत्र-वार प्रदर्शन प्रारूप- केंद्रित कहानी सुनाने और मजबूत क्षेत्रीय पहचान सुनिश्चित करने के लिए क्षेत्र/राज्य द्वारा जनजातीय कला और शिल्प का सुनियोजित प्रस्तुतीकरण किया गया है।

इसके अलावा, उत्सव के भीतर एक विशिष्ट मंडप (सिग्नेचर पवेलियन) बनाया गया है, जिसमें जनजातीय उद्यमियों के रिसा (आरआईएसए) ब्रांड और डिजाइनर उत्पादों के उच्च लक्जरी जनजातीय उत्पादों को प्रदर्शित किया गया है। जो पेशेवर ब्रांडिंग, पैकेजिंग और विजुअल मर्चेंडाइजिंग, प्रीमियम (प्रमुख) शहरी और अंतर्राष्ट्रीय उपभोक्ताओं को लक्षित करते हुए उपलब्ध है।

*****